गुटबाजी समाप्त करने के लिए प्रदेश भाजपा में किए बदलाव, लेकिन बढ़ रही है गुटबाजी

पार्टी के तमाम कार्यक्रमों से दूरी बना रही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

जयपुर। प्रदेश में कुछ महीने बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में भाजपा में गुटबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं केंद्रीय नेतृत्व के द्वारा प्रदेश में गुटबाजी को समाप्त करने के लिए प्रदेश संगठन में बदलाव किए थे लेकिन ये गुटबाजी समाप्त होने के बजाय बढ़ती जा रही है। जिसका ताजा उदारहण नागौर के लाडनूं में प्रदेश कार्यसमिति बैठक से देखा जा सकता है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सांसद किरोड़ीलाल मीणा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता नहीं आये। इसके साथ ही कार्यसमिति में पहली बार कई अवस्थाएं देखने को मिली।

कार्यसमिति की बैठक में कई विधायकों एवं पूर्व विधायकों को कई देर मशक्कत करने के बाद एंट्री पास बनाए गए। इसके साथ ही कार्यसमिति जिस हॉल में की जा रही थी, वहां पर ऐसी खराब था और इतनी गर्मी थी कि जिसके कारण 4-5 पदाधिकारियों की तबीयत बिगड़ गई थी। सीपी जोशी के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह पहली प्रदेश कार्यसमिति थी। जिसमें भाजपा में गुटबाजी साफ तौर पर सामने आ गई और इससे पहले भी प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और सीपी जोशी द्वारा कराये गये तमाम बड़े कार्यक्रमों से वसुंधरा राजे दूरी बनाये रहीं और वहीं दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री राजे महीने भर के दौरान कई जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये जनता और कार्यकर्ताओं से संवाद कर चुकी हैं। वही लाडनूं में प्रेस वार्ता के दौरान जब भाजपा के नेताओं से पूछा कि वसुंधरा राजे क्यों नहीं आई प्रदेश कार्यसमिति में, तो उनका जवाब था कि निजी कारणों से नहीं आई। वही हाल ही में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया सहित कई नेताओं की भाजपा में ज्वाइनिंग हुई, क्या उसमें वसुधरा राजे को बुलाया नहीं गया या वह निजी कारणों से नहीं आई। यह चर्चा भी कार्यकर्ताओं में बनी हुई है। वहीं जिस दिन इन नेताओं को सदस्यता ग्रहण करवाई जा रही थी तब भी भाजपा कार्यकर्ता और नेताओं में भाजपा मुख्यालय में ये चर्चा अकसर कर रहे थे। हालांकि कई कार्यकर्ता ये कह रहे हैं कि सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में राजे को सूचना ही नहीं दी गई। सीपी जोशी द्वारा भाजपा की कमान संभालने के बाद अधिकांश जिला जन आक्रोश सभाओं में कुर्सियां खाली रहने और जनता एवं कार्यकर्ताओं द्वारा दूरी बनाने की चर्चा प्रदेश से लेकर दिल्ली तक है, आखिर क्या वजह है कि पार्टी में सन्नाटा और मायूसी है? सियासी गलियारों चर्चा यह भी कि तमाम जिलों के जिला अध्यक्ष प्रदेशाध्यक्ष से मिलने का समय मांग रहे हैं लेकिन वह व्यवस्थित तरीके से बातचीत का कई जिला अध्यक्षों व पदाधिकारियों को समय नहीं दे पा रहे हैं। क्या समय देने के लिये सीपी जोशी को संगठन महामंत्री से अनुमति लेनी पड़ती है या कुछ और वजह है? इसके साथ ही भाजपा में पिछले समय से चल रही पोस्टर पॉलिटिक्स पर नेता व कार्यकर्ता कहते हैं कि ये सब पोस्टर पॉलिटिक्स भी भाजपा कार्यालय से ही चलती हैं।

> ■ सियासी गलियारों चर्चा यह भी कि तमाम जिलों के जिलाध्यक्ष, प्रदेशाध्यक्ष से मिलने का समय मांग रहे हैं लेकिन वह व्यवस्थित तरीके से बातचीत का कई जिला अध्यक्षों व पदाधिकारियों को समय नहीं दे पा रहे हैं

चर्चा है कि भाजपा प्रदेश कार्यालय से लेकर जिलों में और पार्टी के कार्यक्रमों में होर्डिंग्स पर किन-किन नेता के फोटो लगेंगे और उनके डिजाइन तक भी संगठन महामंत्री ही तय करते हैं।

पिछले सवा तीन सालों में सियासी गलियारों में यह चर्चा बनी रहती थी कि राजस्थान भाजपा में आए दिन 'पोस्टर-होर्डिंग्स पॉलिटिक्स' चलती रही, जबकि पार्टी के कार्यक्रमों में सभी प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही, आखिर क्या वजह है गुटबाजी की, वहीं हकीकत यह थी कि गुटबाजी कहीं भी नहीं थी, सिर्फ गुटबाजी दिखाने की 'पोस्टर-होर्डिंग्स' में बार-बार फोटो बदलने से कोशिश की गई और यह 'पोस्टर-होर्डिंग्स' फोटो बदलने का निर्णय संगठन महामंत्री ही तय करते थे और आज भी वही तय करते हैं। इसकी चर्चा भाजपा के नेताओं से सुनी जाती है। कार्यकर्ताओं में चर्चा यह भी भाजपा राजस्थान के ट्विटर और फेसबुक पर किस नेता का फोटो और पोस्ट लगेगा यह भी संगठन महामंत्री सोशल मीडिया और आइटी विभाग को निर्देशित करते हैं।

राज्यपाल ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को राजभवन में महाराणा प्रताप जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। मिश्र ने कहा कि महाराणा प्रताप देश के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी योद्धा थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध होकर संघर्ष करते अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा किसी राष्ट्र नायक ने हमारे देश में दी है, तो वह महाराणा प्रताप ही हैं। मिश्र ने महाराणा प्रताप के शौर्य, वीरता और त्याग को स्मरण करते हुए नई पीढ़ी को उनकी गौरवगाथाओं से अधिकाधिक जोड़ने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास करने का आव्हान किया है।

बांधों की सुरक्षा के लिए मिशन मोड में काम कर रही केन्द्र सरकार : गजेन्द्र सिंह

जयपुर में स्थापित होगा भूकंप से बांधों की सुरक्षा का राष्ट्रीय केन्द्र

जयपुर, (का.सं.)। देश में बांधों की भूकंप और अन्य आपदाओं से सुरक्षा का राष्ट्रीय केन्द्र जयपुर के मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) में स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में आज जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण और एमएनआईटी के बीच एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री शेखावत ने कहा कि केन्द्र सरकार बांधों की सुरक्षा और रख-रखाव के प्रति मिशन मोड में काम कर रही है।

> ■ केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय और एमएनआईटी के बीच हुआ एमओयू

जयपुर में मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के तीसरे सबसे अधिक बांधों वाला देश है। यहां छह हजार से अधिक बांध है। 25 प्रतिशत से अधिक बांध ऐसे हैं, जिनकी 50 प्रतिशत से ज्यादा की समय अवधि पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांधों की सुरक्षा को लेकर संकल्प लिया और वर्ष 2021 में बांध सुरक्षा से संबंधित कानून बनाया। उन्होंने कहा कि बांधों के रख-रखाव से तात्पर्य उसके ढांचे की सुरक्षा ही नहीं है, बल्कि उसके सिस्टम को ठीक रखना भी है। इससे बाढ़ जैसी आपदाओं से भी बचा जा सकेगा।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने बताया कि स्थापित होने वाले इस केन्द्र को जलशक्ति मंत्रालय से 30 करोड़ की वित्तीय सहायता मिलेगी। इस केंद्र के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए शेखावत ने बताया कि केंद्र के माध्यम से बांध अभियंताओं और नीति निर्माताओं के साथ मिलकर समग्रता से काम करना, भारत में बांधों की संरचनात्मक और भूकंप सुरक्षा से संबंधित प्रौद्योगिकी को विकसीत करना और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी क्षमताओं का अत्याधुनिक तकनीक से संपन्न कराना होगा।

'टेंडर में दो प्र.श. कमीशन लेता था संयुक्त निदेशक वेदप्रकाश यादव'

जयपुर के योजना भवन में डी.ओ.आई.टी. के बेसमेंट की अलमारी में 2.31 करोड़ रुपए और एक किलो सोना मिलने का मामला

जयपुर। सचिवालय के पीछे योजना भवन में स्थित सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के बेसमेंट की अलमारी में 2.31 करोड़ रुपए और एक किलो सोना मिलने के मामले में गिरफ्तार संयुक्त निदेशक वेदप्रकाश यादव टेंडर दिलवाने के एवज में 2 प्रतिशत कमिश्न लेता था।

मामले में तीन दिन की पुलिस रिमांड पर चल रहे आरोपी वेदप्रकाश से एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ललित शर्मा के नेतृत्व में पूछताछ चल रही है। सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में सामने आया कि आरोपी वेदप्रकाश डीओआईटी में खरीददारी के लिए बनी परचेजिंग कमेटी में सदस्य था। वह कम्प्यूटर, प्रिंटर, स्टेशनरीमें कमीशन लेता था। इसी तरह इलैक्ट्रोनिक डिसप्ले, ई-मित्रा प्लस रूरल व अरबन मशीन के टेंडर दिलवाने में ठेकादारों तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों की मदद करता था। इसके बदले उसे दो प्रतिशत कमिशन मिलता था। रिश्वत में मिले पैसे को वह सुरक्षा की दृष्टि से अपने ऑफिस के पास बने बेसमेंट में रखी अलमारी में रखता था। उसने दिल्ली की चार फार्म से रिश्वत की राशि ली थी। जांच में यह भी सामने आया कि अलमारी ये राशि काफी समय से रखी हुई थी। बैग में मिले नोटों के बंडलों पर लगे रबड बैंड लम्बा समय होने के कारण खराब होकर नोटों से चिपक गए थे। आरोपी ने पिछले काफी लम्बे समय से यह रिश्वत का खेल चला रखा था। कमीशन और रिश्वत की राशि से उसने जयपुर में जगतपुरा स्थित पार्थ नगर में 252 मीटर का जेडीए पट्टेशुदा प्लाट, फागी रोड पर खुद और पत्नी सरला यादव के नाम से दो प्लाट, कालवाड़ रोड स्थित सुशांतसिटी में पत्नी के नाम से एक भूखंड व एक अन्य प्लाट ले रखा था। वह इसी रिश्वत की रकम से अपने बच्चों को हायर एजुकेशन दिलवा रहा था। उधर एसीबी मामले में योजना भवन सहित कुछ प्राइवेट लोगों को पूछताछ के लिए भी बुला सकती है। एसीबी पिछले 5 साल में जिन कम्पनियों के साथ डीओआईटी की डील हुई है, उनकी जानकारी ले रही है। जल्द इन कम्पनियों के प्रतिनिधियों को पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

> ■ इस प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी संयुक्त निदेशक से एसीबी पूछताछ करने में जुटी
>
> ■ आरोपी कम्प्यूटर, प्रिंटर, स्टेशनरी की खरीद और इलैक्ट्रोनिक डिसप्ले, ई-मित्रा प्लस रूरल व अरबन मशीन के टेंडर दिलवाने के लिए ठेकादारों तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों से कमिशन लेता था।

गौरतलब है कि शुक्रवार को योजना भवन में स्थित सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के बेसमेंट में बने स्टोर में रखी एक अलमारी में दो बैगों में 2.31 करोड़ की नकदी के साथ 1 किलो सोना बरामद किया गया था। इसके बाद पुलिस ने विभागीय कर्मचारियों से पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शनिवार शाम को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक वेदप्रकाश यादव को गिरफ्तार लिया था। पूछताछ में उसने यह रकम और सोना खुद का होना बताया था।

इतिहास के पन्नों से महाराणा प्रताप को हटाना, अकबर को महान बताना राजस्थान के वीरों का अपमान : सी.पी.जोशी

जयपुर। महाराणा प्रताप जयंती पर आज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी.जोशी ने चित्तौड़गढ़, फतहनगर, उदयपुर और गोगुंदा में विभिन्न कार्यक्रमो में भाग लेकर महाराणा प्रताप और उनके सहायकों के शौर्य का स्मरण करते हुए प्रदेश की गहलोत सरकार पर मुगल प्रेमी सरकार होने का आरोप लगाया।

प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार जहां महाराणा प्रताप जयंती पर सरकारी कार्यक्रम कर रही है, वहीं राजस्थान की सरकार को महाराणा प्रताप के शौर्य से कोई सरोकार नहीं। केंद्र की मोदी सरकार एनसीईआरटी की पुस्तकों में मुगलों का गलत इतिहास हटाकर मेवाड़ के शौर्य वाले इतिहास को सम्मिलित करती है, लेकिन प्रदेश की मुगल प्रेमी गहलोत सरकार इन पुस्तकों पर प्रतिबंध लगा देती है। मेवाड़ के इतिहास के बिना भारत का इतिहास बिल्कुल अधूरा है। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने पूर्व शिक्षा मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने अकबर को महान बताया था। महान तो महाराणा प्रताप थे, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए सुख सुविधा को छोड़ दिया, लेकिन अपनी मातृ भूमि के स्वाभिमान के लिए मुगलों के आगे सिर नहीं झुकाया। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने महाराणा प्रताप की घास की रोटी को सांवा जैसा मोटे अनाज से तुलना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के मोटे अनाज के श्रीअन्न योजना की प्रशंसा की। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने केंद्र की मोदी सरकार की प्रशंसा की।

गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे बैंचमार्क तोड़े : शेखावत

जयपुर। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार में पनप रहे भ्रष्टाचार के मामलों की सही जांच हो तो कई सफेद कुर्ते वाले भी चपेट में आ जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाए कि इस सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे बैंचमार्क तोड़ दिए।

शेखावत सोमवार को एमएनआईटी में मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योजना भवन में डीओआईटी के जिस अधिकारी के पास कैश मिलने की संपूर्ण और गहराई से जांच होनी चाहिए। आरोपी अधिकारी किसके निर्देश पर स्टोर कीपर का काम कर रहा था। बहुत सारे प्रश्न जनता के मन में आ रहे हैं। कौन-कौन लोग कितने वर्षों से इनवॉल्व थे? कहां-कहां ऐसा काला धन छिपाया गया? इस सबका खुलासा होना चाहिए। पहले तो अधिकारियों और नेताओं के घरों से ही नकदी बरामद होती थी। अब तो सरकारी कार्यालयों से भी कालाधन मिलने लगा है। इसकी जांच होनी चाहिए।

शेखावत ने पेपर लीक प्रकरण में कहा कि भाजपा द्वारा किए गए आंदोलनों से दबाव में आकर सरकार ने एक कदम बढ़ाया। उसका नतीजा निकला कि आरपीएससी तक एसीबी पहुंच गई। इससे आगे भी सरकार जांच करती तो सफेद कुर्ते पहन कर लोग घूम रहे हैं, उनके कारनामे भी सामने आ जाते।

गहलोत द्वारा बार-बार संजीवनी प्रकरण में उनका नाम लेने के प्रकरण में उन्होंने कहा कि संजीवनी के इनवेस्टर्स ने मेरे से पूछकर इनवेस्ट नहीं किया। गहलोत इसमें राजनीति कर रहे हैं, क्योंकि घोटाला करने वाले संजीवनी एकमात्र ऐसी सोसायटी नहीं है। आदर्श क्रेडिट कॉ-ऑपरेटिव सोसायटी इससे बड़ी है। उसमें चौदह हजार करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। इस प्रकार के मामलों की जांच के लिए भारत सरकार का कानून है, उसके तहत इनके फर्जीवाड़े की जांच सीबीआई के माध्यम से होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में भी विरोध कर चुकी। इस कानून के तहत जांच नहीं करने के कारण यदि आरोपी छूट जाए तो आरोपी को छुढ़ाने और निवेशकों के पैसे डुबाने के षड्यंत्र के भागीदार अशोक गहलोत उनकी सरकार होगी।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय पिताजी **श्री राजेश यादव** (भू-अभिलेख निरीक्षक) पुत्र स्व. श्री सोहनलाल यादव का स्वर्गवास दिनांक 21.05.2023 को हो गया है, तीये की बैठक दिनांक 23.05.2023 मंगलवार को सायं 5 से 6 बजे निवास स्थान-48, श्रीराम नगर द्वितीय महाराणा प्रताप स्कूल के सामने, खिरणी फाटक रोड, झोटवाडा, जयपुर पर होगी।
शोकाकुल- सीताराम जी यादव (ताउजी), सूरज देवी (माँ), रेखा (धर्मपत्नी), शोर्य (श्याम), आदित्य (पुत्र), आयुषी, तनिष्का (पुत्री), मन्जू, आशा-संजय जी, सन्जू-दिनेश जी, अंजू-ललित जी (बहन-बहनोई) वं समस्त खडोतिया परिवार रामपुरावाले। 9521474453, 7357403664, 9352487001

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

महाराणा प्रताप शौर्य के प्रतीक : खाचरियावास

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने आज महाराणा प्रताप जयंती समारोह के अवसर पर प्रतापसेना के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि महाराणा प्रताप भारत के धर्म, स्वाभिमान और शौर्य के प्रतीक थे, उन्होंने पूरी दुनिया में भारत की संकल्प शक्ति का परिचय देकर बता दिया कि भारत का कोई भी नागरिक स्वाभिमान से समझौता नहीं करता। भारत का धर्म और संस्कृति भगवान राम का सिद्धांत सबको साथ में लेकर चलना और अन्याय के सामने नहीं झुकना, पूरी दुनिया में एक अलग मिसाल रखता है।

जीवन की अनुभूतियों को संजोना विरासत को समृद्ध करता है : प्रो. पी.सी.त्रिवेदी

जयपुर, (का.सं.)। प्रतिष्ठित शिक्षाविद डॉ. हरिराम स्वामी की पुस्तक "यादों का गुलिस्तां" का आरएएस क्लब में लोकार्पण किया गया। जोधपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी, राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कैलाश चंद्र शर्मा, जेएनयू के शोध सलाहकार प्रो. जे.के. टंडन, राजस्थान हैरीटेज अथॉरिटी के सीईओ टीकम अनजाना और वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने पुस्तक का लोकार्पण किया। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश (रि.) कैलाश चन्द्र शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

> ■ आत्मकथा में गांधीजी जैसी सत्यनिष्ठा ही सार्थक है :आफरीदी

प्रतिष्ठित शिक्षाविद् डॉ. हरिराम स्वामी की पुस्तक ''यादों का गुलिस्तां'' का आर.ए.एस. क्लब में लोकार्पण किया गया। जोधपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी, राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कैलाश चंद्र शर्मा, जेएनयू के शोध सलाहकार प्रो. जे.के. टंडन, राजस्थान हैरीटेज अथॉरिटी के सीईओ टीकम अनजाना और वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने पुस्तक का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. पीसी त्रिवेदी ने कहा कि डॉ. स्वामी की पुस्तक आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि जीवनी एक प्रकार से समय और समाज का अमूल्य दस्तावेज होता है। यह एक रचनात्मक लेखन है जिसमें परिवार, मित्रों और समाज के संग बीते खट्टे-मीठे अनुभव होते हैं। लेकिन समाज में खुशियां बांटने वाला लेखन ही सार्थक होता है। लेखक का दायित्व है कि वह समाज को नई दिशा दे, उत्साह का संचार करे और प्रगति की ओर अग्रसर करे। जीवन की अनुभूतियों को संजोकर नई पीढ़ी को सौंपना भी विरासत को समृद्ध करने जैसा है। आत्मकथा में हम अभावों से जूझते समाज को विकसित और आधुनिक होते समय की धड़कन महसूस कर सकते हैं। वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने कहा कि जीवनी तभी सार्थक और मूल्यवान होती है जब हम गांधी जी के सत्य के प्रयोग की भांति सत्यनिष्ठा से जीवन के अनुभवों को रेखांकित करते हैं। स्मरण सच्चाई पर आधारित हों और आत्म प्रशंसा से मुक्त हों। डॉ. स्वामी इस दिशा में खरे जीवनीकार के रूप में हमारे सामने आते हैं। एक मध्यम परिवार से निकलकर जीवन में ऊंचाइयां हासिल करना निश्चय ही एक बड़ी उपलब्धि है।

यादों का गुलिस्तां के लेखक डॉ. हरिराम स्वामी ने कहा कि वे साधारण परिवार से आते हैं जिनमें संघर्ष एक नियति है। जीवन का खुरदरापन अनुभव से मनुष्य को सशक्त बनाता है। उन्होंने बताया कि जीवन के एक पड़ाव पर बाबा आम्टे की भांति शैया पर जीवन जीने की स्थिति आ गई, लेकिन मित्रों की सहृदयता और लेखन की जिजीविषा ने उन्हें मजबूती दी जिसकी परिणति जीवनी पुस्तक के रूप में हुई। जीवनी कथा में परिवार सभी को ईमानदारी से सामने रखने का प्रयास किया गया है।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम अभिमन्यु सिंह शेखावत से बदलकर अभिमन्यु सिंह पुत्र श्री आनंद सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे अभिमन्यु सिंह के नाम से जाना जावें। पता-डी-6/333, ग्राउंड फ्लोर, चित्रकुट, वैशाली नगर, जयपुर

खोया पाया

मेरा फ्लैट नं. 721, प्रथम अपार्टमेंट, मांगयावास, मानसरोवर जयपुर की मूल रजिस्ट्री कहीं गुम हो गयी है। मिलने पर सूचित करें, सूरज बिहारी माथुर निवासी-फ्लैट नं. 721, प्रथम अपार्टमेंट, मांगयावास, मानसरोवर जयपुर-9116674092

आम सूचना एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स श्री सालासर ओवरसीज प्रा.लि. पता 15-बी, गोपालपुरा बाई पास रोड, हीरा नगर, मानसरोवर, जयपुर द्वारा नारायण विहार ब्लॉक ओ फेज 04 योजना का भूखण्ड संख्या-88 क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज के अलॉटमेंट लेटर जगदीश चन्द्र शर्मा पुत्र/पुत्री/पत्नी स्व. श्री ईश्वर लाल शर्मा निवासी प्लॉट नं.-60, पटेल कॉलोनी, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर के नाम से जारी किया गया है। उक्त आवंटी जगदीश चन्द्र शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 09.05.2021 को हो गया है तथा उक्त स्व. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा के स्थान पर उनके पुत्र प्रवीण कुमार शर्मा ने स्वयं के नाम प्रतिस्थापन हेतु कम्पनी कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजात के साथ आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति, फर्म, संस्था, कम्पनी, वित्तीय संस्था, बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस की समयावधि में कम्पनी कार्यालय में सम्पर्क करें अन्यथा 15 दिवस के पश्चात उक्त आवेदनकर्ता प्रवीण कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा के नाम प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
निदेशक, श्री सालासर ओवरसीज प्रा.लि.

आम सूचना हर आम व खास को मेरे अभिभाष्य श्रीमति केसर देवी पुत्री स्व. मांगीलाल धर्मपत्नी दुर्गालाल शर्मा जाति गुजराती ब्राह्मण आयु 80 साल निवासी ग्राम खतवाडी फुलेरा तह. फुलेर जिला जयपुर राज. की ओर से सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य की पैतृक भूमि आराजी खसरा नं. 896 खसरा नं. 897 खसरा नं. 2273 लगायत खसरा नं. 2279 खसरा नं. 2281 लगायत खसरा नं. 2285 खसरा नं. 2275/2758 खसरा नं. 2275/2579 खसरा नं. 2274 खसरा नं. 2275/2580 खसरा नं. 2283 व खसरा नं. 2284 वाके ग्राम दहमी कलां तहसील सांगानेर में स्थित है व इस प्रकार आराजी खसरा नं. 110 वाके ग्राम खतवाडी कला व खसरा नं. 195, 201, 210, 212, 228 वाके ग्राम खतवाडी कला तह. फुलेरा जिला जयपुर में स्थित है जो मेरे अभिभाष्य को विरासत से प्राप्त है जिसमें मेरे अभिभाष्य का हिस्सा हैं उक्त सम्पत्ति का मेरे अभिभाष्य ने आज दिनांक तक किसी भी दीगर व्यक्ति के पक्ष में बेचान पत्र/इकरारनामा/मुख्तारनामा आम व खास/वसीयत/दानपत्र/हकत्याग लिखित व मौखिक निष्पादित नहीं किया है, कोई भी दीगर व्यक्ति मेरे अभिभाष्य के फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तथ्यों को छुपाते हुए किसी व्यक्ति/निगम/कम्पनी बेचान हेतु प्रस्ताव रखे तो उक्त सम्पत्ति को मेरे अभिभाष्य की व्यक्तिगत उपथिति के बिना खरीद नहीं करें इसलिए उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को किसी दीगर व्यक्ति द्वारा खरीद नहीं की जावें व रहन नहीं करें क्योंकि उक्त सम्पत्ति सख्त कानूनी अधिकार मेरे अभिभाष्य के पास सुरक्षिति है मेरे अभिभाष्य के पक्ष में कानूनी अधिकार है। आमजन/बैंक/संस्था आदि सूचित रहे।
लक्ष्मीकान्त दाधिच, एडवोकेट, मो.9414516693

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विला प्लाट नम्बर एल-0095, ब्लॉक-एल, असंल सुशांत सिटी-1, ग्राम-मौंचवा, कालवाड़ रोड, जयपुर एरिया 288.00 वर्गमीटर श्रीमती मीनू मजुमदार एवं श्री तरूण कान्ति मजुमदार ने असंल प्रोपर्टीज एण्ड इन्फ्रान्ट्रक्च लिमिटेड से जरिये आवंटन 04.01.2006 ईस्वी को खरीद किया था।
यह कि श्री तरूण कान्ति मजुमदार का स्वर्गवास दिनांक 05.05.2021 ईस्वी को हो गया। श्री तरूण कान्ति मजुमदार के स्वर्गवास पश्चात उनके पुत्र/पुत्री क्रमश श्री अविन्दो मजुमदार एवं सिद्धी मजुमदार ने जनरल पावर ऑफ अटॉनी के जरिये अपना हिस्सा श्रीमती मीनु मजुमदार को दे दिया है। अब सम्पूर्ण प्लाट को मालिक श्रीमती मीनु मजुमदार ने उक्त सम्पत्ति को विक्रय करने का इकरार श्रीमती सविता कँवर धर्मपत्नी श्री अजय सिंह से किया है।
उक्त सम्पत्ति के बाबत श्री तरूण कान्ति मजुमदार के उत्तराधिकारी की हैसियत से किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति, जनसाधारण का कोई भी अधिकार हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उक्त सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस में अपना अधिकार या एक मय दस्तावेज प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती सविता कँवर द्वारा उक्त सम्पत्ति को जरिये विक्रय पत्र क्रय कर लिया जायेगा एवं उसके पश्चात किसी प्रकार का कोई हक या अधिकार मान्य नहीं होगा।
संविता कँवर-9521448295

न्यायालय तहसीलदार (भ.अ.) अलवर, जिला अलवर
नोटिस सर्व साधारण
अपंजीकृत वसीयत प्रकरण प्रार्थना पत्र श्री प्रभुदयाल, अर्जुनराम, हनुमान पुत्रान भौरेलाल अहीर निवासी धवाला तहसील अलवर अपंजीकृत वसीयत कुडाराम उर्फ कुडियाराम पुत्र गोविन्दराम जर्ये नोटिस हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि प्रभुदयाल, अर्जुनराम हनुमान पुत्रान भौरेलाल अहीर निवासी ग्राम धवाला तहसील अलवर द्वारा इस कार्यालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है कि साबिक ख.न. 130 रकबा 03 बीघा 04 बिस्वा, ख.न. 133 रकबा 01 बीघा 13 बिस्वा, ख0न0 141 रकबा 02 बीघा 18 बिस्वा, ख.न. 145 रकबा 07 बीघा कुल किता 04 रकबा 14 बीघा 15 बिस्वा जिसके हाल ख0न0 192/0.73/200/1.77, 239/.76, 249/0.34, 250/0.14 वाके ग्राम धवाला तहसील अलवर कुडाराम उर्फ कुडियाराम पुत्र गोविन्दराम जाति अहीर निवासी ग्राम बहराम का बास तहसील बानसूर जिला अलवर दवारा क्रम दिनांक 18.03.1965 को किया गया था। कुडाराम उर्फ कुडियाराम पुत्र गोविन्दराम का स्वर्गवास हो चुका है। उनके दवारा जीवनकाम में प्रभुदयाल, अर्जुनराम हनुमान पुत्रान भौरेलाल अहीर निवासी धवाला तहसील अलवर को अपंजीकृत वसीयत की गई है। जिसका अमल प्रार्थीगण राजस्व रिकार्ड में करवाना चाहते है।
प्रकरण में सुनवाई हेतु आगामी तारीख पेशी दिनांक 29.05.2023 नियत है। प्रकरण में हितबद्ध पक्षकार नियत दिनांक को असालतन एवं वकालतन हाजिर हो कर अपना पक्ष/आपति मय साक्ष्य सबूत प्रस्तुत करें अन्यथा में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। बाद नियत दिनांक आपका कोई उज्र काबिल समायत नही होगा। नोटिस आज दिनांक 19.05.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत से जारी किया गया। तहसीलदार (भू.अ.) अलवर
क्रमांक भू.अ./2023/ 4198-99

न्यायालय तहसीलदार (भ.अ.) अलवर, जिला अलवर
नोटिस सर्व साधारण
रिमाण्ड प्रकरण प्रभुदयाल पुत्र भौरेलाल वगै. बनाम तहसीलदार अलवर जर्ये नोटिस हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में ख.न. 192/0.73, 200/1.77, 249/0.34, 250/0.14, 239/0.75 वाके ग्राम धवाला तहसील अलवर का रिमाण्ड प्रकरण प्रभुदयाल, अर्जुनलाल हनुमान पुत्रान भौरेलाल बनाम तहसीलदार अलवर विचाराधीन है। प्रकरण में आगामी तारीख पेशी दिनांक 29.05.2023 नियम है। प्रकरण में तोफली पत्नि कजोड, बाबूलाल, नंदू, गंगालहरी पुत्रान कजोड, विमला, कमला, पुत्रीयान कजोड जाति अहीर निवासी ग्राम ईम्मीपुरा तहसील मालाखेडा जिला अलवर, गंगा पुत्री रामकरण, हजारी, शिवलाल, परसादी पुत्रान गणगौरी पत्नि रामजीलाल अहीर पुत्री बिहारी जाति अहीर निवासी ग्राम थानाराजाजी तहसील राजगढ जिला अलवर, ग्यारसी पत्नि स्व. रामकरण, चिरंजी पुत्र रामकरण, जगदीश पुत्र रामकरण, जयराम, धोल्या पुत्रान बसन्ती पत्नि स्व. रामस्वरूप पुत्री बिहारी जाति अहीर निवासी ग्राम मालीबास (बीजवाड नरूका) तहसील मालखेडा जिला अलवर, लक्षमी पत्नि रामसहाय, लक्खी, चिरजी पुत्रान रामसहाय एवं गंगा पुत्री रामसहाय जति अहीर निवासी ग्राम इम्मीपुरा तहसील मालखेडा जिला अलवर, लखनलाल पुत्र रामकरण एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारान प्रकरण में नियत दिनांक को असालतन एवं वकालतन हाजिर अदालत हो कर अपना पक्ष/आपति मय साक्ष्य सबूत प्रस्तुत करें अन्यथा में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। बाद नियत दिनांक आपका कोई उज्र कबिल समायत नही होगा। नोटिस आज दिनांक 19.05.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत से जारी किया गया। तहसीलदार (भू.अ.) अलवर
क्रमांक भू.अ./2023/ 500-01